

बिहार के सहरसा में खुलेगा जीविका दीदियों का पहला मखाना उद्योग

चर्चा में क्यों?

1 अक्टूबर, 2023 को सहरसा ज़िले के जीविका परियोजना प्रबंधक अमलि कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री सूक्ष्म एवं लघु क्लस्टर विकास योजना के तहत मखाना उद्योग का केंद्र सहरसा में स्थापित होगा।

प्रमुख बिंदु

- मखाना उद्योग लगाने के लिये 2 करोड़ 33 लाख 91 हजार रुपए की स्वीकृति मिली है। जीविका महिला कृषि उत्पादक कंपनी लिमिटेड के तहत मखाना उद्योग संचालित होगा, जो मखाना का सामान्य सुविधा केंद्र के रूप में जाना जाएगा।
- डीएम वैभव चौधरी ने बताया कि मखाना प्रसंस्करण उद्योग में नॉर्मल (सामान्य) कस्मि के मखाना की प्रोसेसिंग कर उसे उत्कृष्ट कस्मि का बनाया जाएगा। उसकी पैकेजिंग कर ब्रांडिंग की जाएगी। मखाना से बने गुणवत्तापूर्ण विभिन्न कस्मि के उत्पादों को देश के अलावा अंतरराष्ट्रीय बाजार उपलब्ध कराया जाएगा।
- उत्पाद इस तरह के बनाए जाएंगे जिसकी बाजार में अलग पहचान हो और इसे देखते ही लोग खरीद लें। जीविका के जिला औद्योगिक स्तर की पैकेजिंग कर मखाना की आपूर्ति देश-विदेश में की जाएगी तथा डिजाइन व जाँच केंद्र के अलावा कच्चा माल डपि की भी स्थापना होगी।
- इन केंद्रों पर नई तकनीक से गुणवत्तापूर्ण मखाना उत्पादन के संबंध में प्रशिक्षण देकर किसानों का कौशलवर्धन किया जाएगा।
- प्रसंस्करण उद्योग जीविका के द्वारा दरभंगा और कटहिर जिले में भी मखाना प्रसंस्करण उद्योग खोलने की योजना है। जिले के आसपास के जिलों को यहाँ से जोड़कर मखाना की पैकेजिंग सहित अन्य सुविधाओं का लाभ दिया जाएगा। इन प्रखंड क्षेत्र के 500 मखाना उत्पादन से जुड़े किसानों को प्रोड्यूसर ग्रुप में जोड़ा गया है।



//

